आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)

मंगलवार 08.07.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कांवड़ मेला तैयारियों की समीक्षा की।
- सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने देहरादून में दो दिवसीय सहकार मंथन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।
- वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा– पर्यावरण अनुकूल पैकेजिंग अब एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है।
- मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने सभी सचिवों को विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आगामी कांवड़ मेला की तैयारियों को लेकर आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि इस विशाल धार्मिक आयोजन में किसी भी प्रकार की तोड़फोड़, उपद्रव या अन्य अवांछनीय घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रमुख स्थलों पर एक्सरे सिस्टम, अग्निशमन यंत्र, फायर टेंडर और कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य व पेय पदार्थों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी और जल–जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पुख्ता इंतजाम करने को कहा। उन्होंने भीड़ प्रबंधन में वॉलंटियर्स की मदद लेने, सीसीटीवी और ड्रोन से निरंतर निगरानी और अभिसूचना तंत्र को सक्रिय रखने पर बल दिया। साथ ही बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए अलग से योजना बनाकर उसका व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने आतंकवादी खतरों को मद्देनजर रखते हुए एटीएस और विशेष सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा मार्गों पर तेज ध्वनि विस्तारक यंत्रों, डीजे और लाउडस्पीकर के उपयोग को नियमबद्ध करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों को लाठी, डंडा, नुकीली वस्तुएं आदि ले जाने से रोकने के लिए प्रचार अभियान चलाने को कहा। यात्रा मार्गों में मादक पदार्थों, शराब और मांस की बिक्री पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए। महिला कांवड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए उनकी सुरक्षा के लिए महिला घाटों और धर्मशालाओं में विशेष पुलिस प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी विभागीय सचिवों और पुलिस महानिरीक्षकों को आगामी तीन दिनों में कांवड़ मेला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा करने और अपने–अपने विभागों की कार्य योजनाओं को अंतिम रूप देने के भी निर्देश दिए।

सहकार मंथन

सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में आज देहरादून में आयोजित दो दिवसीय सहकार मंथन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने और हितधारकों से संवाद को सार्थक बनाने के लिए यह एक महत्त्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सहकारी समितियों को सुदृढ़ और सुविधाजनक बनाये जाने को लेकर कार्यक्रम में मंथन किया जा रहा है।

इनर लाइन परमिट

पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा के लिए इनरलाइन परमिट पर वर्षाकाल तक के लिए रोक लगा दी है। उप जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि मॉनसून के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह से आज राजभवन में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने मुख्य सचिव से प्रदेश में चारधाम यात्रा, मानसून से संबंधित तैयारियों और अन्य समसामयिक विषयों पर विस्तार से जानकारी ली।

मानक मंथन

भारतीय मानक ब्यूरो– बीआईएस की ओर से आज देहरादून में मानक मंथन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम प्लास्टिक आधारित पैकेजिंग से हटकर हरित विकल्पों की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैव विविधता से परिपूर्ण राज्य है। यहाँ प्लास्टिक और गैर–बायोडिग्रेडेबल सामग्री का प्रभाव अधिक गंभीर होता है। इसलिए पर्यावरण–अनुकूल पैकेजिंग अब एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। उन्होंने बीआईस द्वारा तैयार किए गए मानकों की सराहना करते हुए कहा कि ये मानक केवल गुणवत्ता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और टिकाऊ विकास के उद्देश्य से भी जुड़े हुए हैं।
श्री उनियाल ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को हरित तकनीक अपनाने के लिए नीति, प्रशिक्षण और सहायता योजनाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने उद्योगों से आह्वान किया कि वे बीआईएस के साथ मिलकर पर्यावरण अनुकूल मानकों को अपनाएं।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने सभी सचिवों को विभिन्न विकास कार्यों, सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को बेहतर तरीके से लागू करने के निर्देश दिए, ताकि जनमानस को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। आज सचिवालय में सचिव स्तर की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य सचिव ने सभी विभागों को अपनी विभागीय कार्यप्रणाली को ऑनलाइन संचालित करने पर जोर दिया, जिससे एक खुली, पारदर्शी, सहज और व्यवस्थित कार्यप्रणाली और व्यवस्था विकसित हो सके। इसके अलावा उन्होंने माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम–2007 का गंभीरता से अनुपालन कराने को कहा। मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों से इस अधिनियम का कड़ाई से अनुपालन करवाने के निर्देश दिए। श्री बर्द्धन ने सभी अधिकारियों को उनके बेहतर विभागीय कार्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इनमें ऐसी अनूठी पहल होनी चाहिए, जो किसी भी राज्य द्वारा नहीं की गई हो या जो अन्य से अलग हो। मुख्य सचिव ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, उद्यान, बाल विकास, पंचायती राज, ग्राम्य विकास, सहकारिता, पशुपालन आदि विभागों में बेस्ट प्रैक्टिसेज की अधिक संभावना है।

पंचायत चुनाव

चम्पावत जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया में तेजी आ गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जी. एस खाती ने बताया कि शान्तिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने के लिए जिले को 9 जोन और 44 सेक्टरों में बांटा गया है। उन्होंने बताया कि आज सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों को प्रशिक्षण दिया गया।

उधर, चमोली जिल में 960 पीठासीन अधिकारियों और 89 सेक्टर मजिस्ट्रेटों को गोपेश्वर में प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षकों ने मतदान प्रक्रिया का सैद्धान्तिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने सभी पीठासीन अधिकारियों और सेक्टर मजिस्ट्रेटों को प्रशिक्षण के दौरान सभी शंकाओं का निराकरण करने की बात कही, ताकि पंचायत चुनाव की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके।